नन्हे कदम: बिट्टू की साइकिल यात्रा

ADITYA RAJ

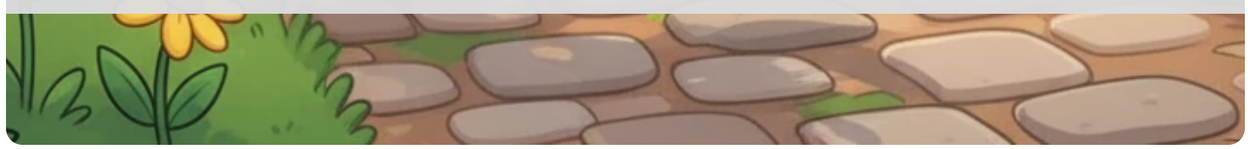

बिट्टू एक दुकान की खिड़की के सामने खड़ा था, जहाँ एक चमचमाती लाल साइकिल रखी थी। उसकी आँखें चमक रही थीं और व सपने देख रहा था कि कैसे वह उस पर बैठकर सड़कों पर फर्राटे भरेग उसका छोटा सा दिल उत्साह से भर गया था, जैसे वह पहले से ही हवा उड़ रहा हो।

एक धूप भरी सुबह, बिट्टू के माता-पिता ने उसे एक बड़ा, चमकीला लाल डिब्बा दिया। जब उसने उसे खोला, तो अंदर वही सपने वाली साइकिल थी! बिट्टू खुशी से उछल पड़ा, लेकिन एक पल के लिए उसके मन में थोड़ा डर भी आया, क्योंकि उसे पता नहीं था कि इसे कैसे चलाना है।

पहली कोशिश का समय आ गया! बिट्टू ने साइकिल पर पैर रख और पैडल मारने की कोशिश की। साइकिल लड़खड़ाई और वह धीरे से एक नरम घास के ढेर पर गिर गया, लेकिन वह हँस रहा था। यह एव मज़ेदार शुरुआत थी, भले ही थोड़ी लड़खड़ाती हुई।

बिट्टू की दोस्त, मीना, जो पहले से ही बहुत अच्छी साइकिल चलाती थी, उसके पास आई। उसने बिट्टू को संतुलन बनाने के कुछ तरीके दिखाए और उसे समझाया कि कैसे पैडल मारने से पहले संतुल बनाना ज़रूरी है। मीना के प्रोत्साहन से बिट्टू को बहुत मदद मिली।

बिट्टू ने प्रशिक्षण पहियों के साथ अभ्यास करना शुरू किया। कर्भ कभी उसे निराशा होती थी जब वह गिर जाता था या ठीक से मुड़ नहं पाता था, लेकिन वह दृढ़ था। उसने सोचा, 'मैं हार नहीं मानूँगा!' और फिर से कोशिश करने लगा।

जब बिट्टू को लगा कि वह तैयार है, तो उसके पिता ने प्रशिक्षण पहिये हटा दिए। बिट्टू ने साइकिल पर बैठकर पैडल मारे, और उसके पि ने पीछे से सीट पकड़ी। बिट्टू को हवा में उड़ने का रोमांच महसूस हुआ जैसे वह एक पक्षी बन गया हो।

उसके पिता ने धीरे से सीट छोड़ दी! बिट्टू लड़खड़ाया, लगभग गि ही गया, लेकिन कुछ सेकंड के लिए वह खुद ही चलता रहा। उसके चे पर एक बड़ी मुस्कान थी, उसने सोचा, 'मैं कर सकता हूँ!'

फिर, अचानक, वह फिर से गिर गया और उसके घुटने पर थोड़ी खरोंच आ गई। दर्द से उसकी आँखों में आँसू आ गए और उसने सोचा शायद वह कभी साइकिल चलाना नहीं सीख पाएगा। वह हार मानने वाला था।

लेकिन फिर उसे मीना के शब्द याद आए, 'कभी हार मत मानो! और अपने सपने की चमक याद आई। उसने गहरी साँस ली, दर्द को भुलाया और फिर से साइकिल उठाई। यह एक छोटा सा कदम था, लेकिन एक बड़ा फैसला।

और फिर, जादू हो गया! बिट्टू ने पैडल मारे, और इस बार वह बि·
गिरे smoothly आगे बढ़ रहा था। हवा उसके बालों में खेल रही थ
और उसके चेहरे पर गर्व और खुशी की सबसे बड़ी मुस्कान थी। उस·
अपने नन्हे कदमों से एक बड़ा सपना पूरा कर लिया था।